कर्म ही सफलता की कुन्जी है

lfoLrkj o.kZu *जनपद सहारनपुर के विकास खंड देवबंद अर्वन में जनहित फॉउन्डेशन के आजीविका विकास कार्यक्रम के अंतर्गत जनहित फॉउन्डेशन कार्यकर्ताओं द्वारा श्रीमती रहिसा पत्नी श्री अकील को समूह के साथ जुडकर अपनी आजीविका बढ़ाने हेतु प्रेरित किया गया। श्रीमती रहिसा की आर्थिक हालत ठीक नहीं थी क्योकि उसका पति बेरोजगार था जिस कारण उसे साहूकार से कर्ज लेना पड़ा वह अपनी आजीविका तो बढ़ाना चाहती थी परन्तु ऐसा कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा था जिससे उसे आर्थिक साहयता मिले। जनहित कार्यकर्ताओं द्वारा श्रीमती रहिसा पत्नी श्री अकील को अपनी आजीविका बढ़ाने हेतु समूह से जुड़कर रोजगार के लिए धन लेने हेतु प्रेरित किया गया उसने समूह की बैठक में प्रथम बार दिनांक ०५/०७/१२ मात्र पाँच हजार रूपये की मांग ठेला पर सामान बेचने का काम करने के उद्देस्य से की जिसे समूह की सदस्यों ने सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की।*

श्रीमती रहिसा ने पाँच हजार रूपये से ठेला खरीद कर अपने पति का काम शुरू करा दिया उसे घर पर ही रोजगार मिल गया । उसने रोजमर्रा का सामान बेचने का काम जारी रखा फिर उसने दिनांक ५/३/१३ को दस हजार तथा ५/११/१३ को तीस हजार रूपये समूह की सदस्यों की स्वीकृति से जनहित फाउंडेशन से लिए उसके पति ने ठेले पर सामान बढ़ा दिया।

उसके द्वारा इस व्यापार से एक माह में ३००० (तीन हजार रूपये) की बचत हुई। बचत का सिलसिला जारी हैं उसने इस आमदनी से साहूकार का कर्ज भी चुका दिया तथा उसने अपने पति को इस काम में लगा कर उनकी बेरोजगारी भी दूर कर दी। इस बात से उसका पूरा परिवार खुश हैं। पति साथ उसने भी काम करके मुस्लिम समाज में यह संदेश दिया हैं कि इंसान चाहे तो कर्म करके हर मुसीबत को कम कर सकता हैं रहिसा के परिवार वालो ने फॉउन्डेशन द्वारा दिये जा रहे सहयोग की तहेदिल से प्रंशसा की।